

सेतु का ऑटिज्म प्रोग्राम

माता-पिता के लिए एक पत्रिका

आपके बच्चे और परिवार की सहायता करने के लिए, सेतु में आपके विश्वास के लिए धन्यवाद। हमें आशा है कि आपने “वेलकम किट” को पढ़ लिया होगा, ताकि आपको पता चले कि हम बच्चे और परिवार के साथ कैसे काम करते हैं।

इस पत्रिका से आपको सेतु में ऑटिज्म थेरेपी के विभिन्न पड़ाव को समझने में मदद मिलेगी। हर पड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि आपको एक व्यक्तिगत थेरेपी योजना के आधार पर सही और उपयुक्त समर्थन प्राप्त हो, जो आपके बच्चे और परिवार की विशेष जरूरतों के अनुसार कस्टमाइज़ की गई है।

पड़ाव 1: ऑटिज्म थेरेपिस्ट के साथ परिवार की मीटिंग | वीडियो कॉल | 60 मिनट | फीस: ₹600

कब: डायग्नोसिस के लगभग 1-2 हफ्ते बाद।

क्यों: आपके सवालों का उत्तर देने, आपके संदेहों को दूर करने और आपको सेतु के ऑटिज्म प्रोग्राम के बारे में समझाने के लिए।

डायग्नोसिस के लगभग दो हफ्ते बाद, आपकी एक ऑनलाइन परिवार की मीटिंग होगी ऑटिज्म थेरेपिस्ट के साथ। इस मीटिंग से आपको अपने बच्चे के ऑटिज्म को बेहतर समझने में मदद मिलेगी और इसका बच्चे और परिवार पर क्या प्रभाव है, उस पर चर्चा होगी। कृपया स्वतंत्रता रूप से प्रश्न पूछिए और अपने संदेह दूर कीजिए। आप से घर पर अपने बच्चे के वीडियो साझा करने का अनुरोध किया जा सकता है। इस मीटिंग के दौरान यह उचित होगा कि आपके बच्चे की देखरेख दूसरे बड़े व्यक्ति के द्वारा की जाए या उनके पसंदीदा खिलौनों, खेलों या स्नेक्स के साथ व्यस्त रहें। मीटिंग को फ्रंट डेस्क पर फ़ोन करके शेड्यूल किया जा सकता है।



पड़ाव 2: फैमिली कोऑर्डिनेटर के साथ आवश्यकताओं का आकलन | फोन कॉल | 60 मिनट | शुल्क नहीं

कब: डायग्नोसिस के लगभग 2-3 हफ्ते बाद।

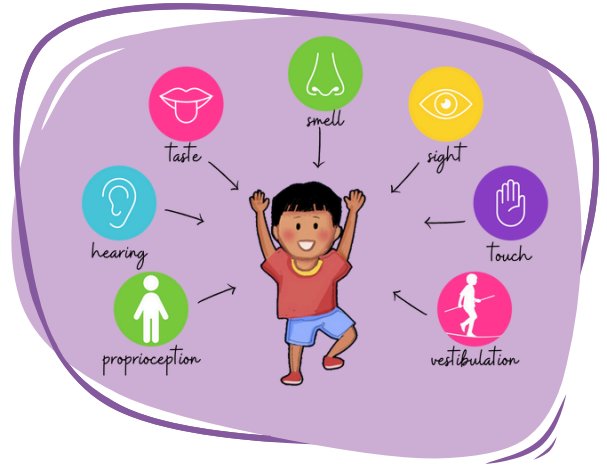
क्यों: आपके बच्चे और परिवार के बारे में जरूरी जानकारी एकत्र करने के लिए जो हमें आपके बच्चे की थेरेपीज़ प्लान करने के लिए चाहिए।

परिवार की मीटिंग के बाद, हमारे फैमिली कोऑर्डिनेटर आपका इंटरव्यू लेंगे ताकि आपके बच्चे की पसंद-नापसंद, रोज़ाना की गतिविधियां, समर्थ और चुनौतियां, और आपके परिवार की चिंताएं, उपस्थिति और अपेक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके। यह हमें आपके बच्चे की जरूरतों के अनुसार एक थेरेपी प्लान बनाने में मदद करेगा। फैमिली कोऑर्डिनेटर आपको संपर्क करेंगे और इस सेशन के लिए एक सुविधाजनक समय निर्धारित करेंगे।

कब: डायग्नोसिस के लगभग 3-4 हफ्ते बाद।

क्यों: आपके बच्चे के विशेष सेंसेरी अनुभव और पसंद को समझने के लिए।

हमारा वातावरण जानकारीयों से भरा होता है - शोर, लोग, रोशनी, कपड़े, तापमान - जो हम अपनी देखने, सुनने, छूने, सूंघने, स्वाद लेने, संतुलन और शरीर की जागरूकता की इंद्रियों का उपयोग करके प्राप्त करते हैं। ऑटिस्टिक बच्चे या तो बहुत ज़्यादा या बहुत कम जानकारी ग्रहण करते हैं। जब उनका दिमाग सेंसेरी जानकारी को प्रोसेस करने के लिए ज़्यादा काम करता है, तब उनकी स्पीच, निर्णय लेने, व्यवहार और जानकारी प्रोसेस करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, जिससे घर, स्कूल या समुदाय में रोज़मर्रा की स्थितियों में चुनौतियां आ सकती हैं।



1: सेंसेरी प्रोफ़ाइल | ऑनलाइन | 45 मिनट | फीस: ₹600/-

इस सेशन में आपके साथ सेंसेरी प्रोफ़ाइल असेसमेंट किया जाएगा। असेसमेंट फ़ॉर्म आपको 24 घंटे पहले भेजा जाएगा। ये सेशन आपके बच्चे के सेंसेरी इनपुट्स के प्रति उनकी प्रतिक्रियाओं को समझने में मदद करेगा।

2: आपके बच्चे के साथ सेंसेरी असेसमेंट | व्यक्तिगत रूप से | 60 मिनट | फीस: ₹600/-

इस सेशन में ऑक्ज्यूपेशनल थेरेपिस्ट आपके बच्चे के सेंसेरी प्रोफ़ाइल में हाइलाइट की गई सेंसेरी रिस्पॉन्सेज़, फाइन-मोटर और ग्रांस-मोटर स्किल्स का आगे मूल्यांकन करेगा।

3: रिपोर्ट डिस्कशन और सिफारिशें | व्यक्तिगत रूप से | 30 मिनट | शुल्क नहीं

सेंसेरी असेसमेंट के बाद ऑक्ज्यूपेशनल थेरेपिस्ट आपके बच्चे की सेंसेरी सेंसिटिविटीज़ को रिव्यू करेगा और उन्हें मैनेज करने के लिए एक प्लान डेवलप करेगा। वो 30-मिनट की ऑनलाइन कॉल में आपके साथ रिजल्ट्स और सिफारिशें डिस्कस करेंगे जो दो हफ्तों बाद होगी। ऑक्ज्यूपेशनल थेरेपिस्ट आपसे संपर्क करेगा आपके बच्चे के सेंसेरी असेसमेंट सेशन को शेड्यूल करने के लिए।

पड़ाव 4: ऑटिज्म थेरेपिस्ट (जिनसे आप पड़ाव 1 में मिले) के साथ थेरेपी प्लान मीटिंग | टेलीफोन कॉल | 15--30 मिनट | शुल्क नहीं

कब: डायग्नोसिस के लगभग 4-5 हफ्ते बाद।

क्यों: थेरेपी प्लान को फ़ाइनलाइज़ करने और थेरेपी सेशनस का शेड्यूल बनाने के लिए।

हमारे ऑटिज्म क्लिनिशियन (जिनसे आप पड़ाव 1 में मिले) सारे जानकारी जो हमने कलेक्ट की है उसके आधार पर एक थेरेपी प्लान तैयार करेंगे। आपके प्लान को एक टेलीफोन कॉल के ज़रिए डिस्कस किया जाएगा और फ़ाइनलाइज़ किया जाएगा। आपको बताएंगे कि कौनसी थेरेपीज़ उपयुक्त हैं, आपके थेरेपिस्ट्स कौन होंगे, और सेशनस की डेट्स, टाइमिंग्स और फ्रीक्वेंसी क्या होगी। हम आपको सलाह देते हैं कि आप सेशनस पहले से शेड्यूल कर लें ताकि आपका बच्चा समय पर थेरेपी प्राप्त कर सके। जब आपका प्लान तैयार हो जाए, पड़ाव 1 में मिले थेरेपिस्ट फिर से आपसे संपर्क करेंगे और उसको डिस्कस करने का समय शेड्यूल करेंगे जो आपके लिए सुविधाजनक होगा। आपके थेरेपी प्लान दस्तावेज़ आपके साथ साझा किया जाएगा।

पड़ाव 5: थेरपी शुरू आपके योजना के अनुसार | फीस: प्रति सेशन ₹600

कब: डायग्नोसिस के लगभग 6-8 हफ्ते बाद

क्यों: आपको आपके बच्चे के विकास को समर्थन देने के लिए अलग-अलग विशेष तकनीकों का उपयोग सिखाने के लिए



थेरेपी प्लान तैयार हो जाने के बाद, हम तैयार हैं थेरेपी की शुरुआत करने के लिए! अधिकांश थेरेपीज़ 1 से 3 बार हफ्तेमें होती हैं, जिसमें थेरेपी प्लान पर निर्भर करता है, 6 हफ्ते से 6 महीने तक चलती है। आपके ज़रूरत के अनुसार, सेशन ऑनलाइन घर पर या सेतु में किसी भी तरीके से किए जा सकते हैं। बहुत ज़रूरी है कि आप नियमित रूप से सेशन में शामिल हों और यदि आप किसी भी सेशन में शामिल नहीं हो सकते हैं तो पहले से हमें बता दें। हम उम्मीद करते हैं कि आप सीखे गए टेक्नीक का उपयोग करते रहेंगे। आपके थेरेपिस्ट्स द्वारा आपके सारे थेरेपी सेशन पहले से ही बुक किए जाएंगे। इसलिये कि आप अपना शेड्यूल उसके अनुरूप तैयार कर सके और सेशन के लिए खुद को उपलब्ध करवा सके।

पड़ाव 6: फैमिली कोऑर्डिनेटर के साथ आउटकम्स असेसमेंट | टेलीफोन कॉल | 60—90 मिनट | शुल्क नहीं

कब: लगभग 20 थेरेपी सेशन या डायग्नोसिस के 6-12 महीने के बाद।

क्यों: प्रगति को आकलन करना और आगे क्या समर्थन चाहिए, उसकी योजना बनाना के लिए।

यह महत्वपूर्ण है कि आपकी फैमिली और बच्चे को सेतु से प्राप्त समर्थन से लाभ और प्रगति हो रही है या नहीं, इसका आकलन करना। थेरेपी सेशन में शामिल होने के बाद, आप फैमिली कोऑर्डिनेटर के आउटकम्स असेसमेंट के लिए रेफर किए जाएंगे (जिनसे आप पड़ाव 2 में मिले हैं)। इस सेशन का उद्देश्य यह है कि जाना जाए कि आपका बच्चा में कितना सुधार आया है, क्या आपकी चिंताएं दूर हो गई हैं और क्या और समर्थन की आवश्यकता है उस पर चर्चा करना।

हम जानते हैं कि परिवार जल्द से जल्द थेरपी शुरू करना चाहते हैं। हालांकि, हमारी छोटी टीम हर साल 450 से अधिक ऑटिस्टिक बच्चों की मदद करती है, और हम समय पर सेशन प्रदान करने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ परिवारों के इच्छा के अनुरूप सेशन थोड़े कम हो सकते हैं। समझने के लिए धन्यवाद।

बच्चों और उनके परिवार हमारे काम का केंद्र है, और हम माता-पिता को कोचिंग और साथ मिलकर सफलता पाने पर जोर देते हैं। हम आपके बच्चे और परिवार की भलाई के लिए आपके साथ साझेदारी करने की आशा कर रहे हैं।

References

1. Cosden, M., Koegel, R.L. Greenwell, A., Klein, E. (2006) Strengths-based assessment for children with autism spectrum disorders. *Research and Practice for persons with Severe Disabilities*, 31 (2), 134 -143.
2. Dawson, G. (2002) Assessment of outcomes in autism clinical trials over the course of development. *Pediatrics*, 145 (6), e20200484
3. Dunn, W (2014) *Sensory Profile 2*. Pearson
4. Grandin, T. (2020) *The Way I See It: A personal look at autism* (Updated and revised fifth edition) Future Horizons
5. Koegel, R.L. , Bimbela, A. , Schreibman, L. (1996). Collateral effects of parent training on family interactions. *Journal of Autism and Developmental Disorders*, 26(3), 347 - 359.
6. Marco, E.J. , Hinkley, L. B. Hill, S.S., Nagarajan, S.S. (2011) Sensory processing in autism: A review of neurophysiologic findings. *Pediatric Research*, 69 (5 pt 2), 48R - 54R
7. Seligman, M.E. Csikszentmihalyi, M. (2014) *Positive Psychology: An introduction* (PP. 279 - 298) Dordrecht, Netherlands: Springer.

Sethu Centre For Child Development and Family Guidance

5/84, Dhonvaddo, Saligao, Goa 403 511

+91-77200 13749

www.sethu.in

Sethu Centre for Child Development & Family Guidance

[sethu.goa](https://www.instagram.com/sethu.goa)

Sethu

